RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2022-2024 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com

DPR No. N-193
www.Indianplasttimes.in

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

■ INDORE ■ 17 JANUARY TO 23 JANUARY 2024 ■ प्रति बुधवार ■ वर्ष 09 ■ अंक 17 ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 5 रु.

Inside News

खुशखबरी! पेट्रोल-डीजल के भाव 5 से 10 रुपये तक होंगे कम
Page 2

सिरदर्द बनी मंजिल पूछकर कैब कैंसिल करने की समस्या, लगातार बढ़ रहे मामले
Page 4

शेयर मार्केट में सेंसेक्स 1,600 अंक गिरा निवेशकों के 4.7 लाख करोड़ स्वाहा
Page 5

editoria!

एआई की चुनौतियां

विभिन्न क्षेत्रों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल हो रहा है और इसमें गति भी आ रही है. इसी के साथ इसके प्रभावों पर चर्चा भी हो रही अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आइएमएफ) की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉर्जिइवा ने कहा है कि एआई के कारण विकसित देशों में 60 प्रतिशत और विकासशील देशों में लगभग 40 प्रतिशत रोजगार खत्म हो जायेंगे या उनमें कमी आयेगी. इस तरह की आशंकाएं कई विशेषज्ञ भी जता चुके हैं, पर रविवार को ही प्रकाशित हुई आइएमएफ की एक रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि जो रोजगार प्रभावित होंगे, उनमें से केवल आधे पर ही यह प्रभाव नकारात्मक होगा और शेष आधे एआई के कारण होने वाली अधिक उत्पादकता से लाभान्वित होंगे. चूंकि विकासशील देशों में यह प्रभाव अपेक्षाकृत कम होगा, तो वहां इसके लाभ भी कम मिलेंगे. जब भी नयी तकनीक या मशीनरी की आमद होती है, तो रोजगार पर असर पड़ता है, पर अतीत के अनुभव बताते हैं कि यह असर कुछ समय के लिए होता है और नयी परिस्थितियों में रोजगार के नये अवसर भी पैदा होते हैं. तकनीक और मशीनें उत्पादकता बढ़ाने के साथ-साथ काम में जोखिम और मुश्किल को कम करती हैं. इससे आमदनी बढ़ती है और काम का स्तर बेहतर होता है. इसलिए कई जानकार यह भी कह रहे हैं कि युवाओं को नये कौशलों और विशेषज्ञताओं को अपनाना चाहिए. जिन कामों में एआइ का इस्तेमाल होगा, तो उस तकनीक के संचालन, प्रबंधन और विश्लेषण के लिए भी लोगों की आवश्यकता बढ़ेगी. इसलिए रोजगार के मोर्चे पर एआइ की चुनौती को समय रहते समझना चाहिए और भविष्य के हिसाब से रणनीति तैयार की जानी चाहिए. शिक्षण-प्रशिक्षण में एआइ को पाठ्यक्रम में शीघ्र शामिल किया जाना चाहिए. भारत जैसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के लिए यह चुनौती दो कारणों से गंभीर हो सकती है. एक, अर्थव्यवस्था वृद्धि की गति को बनाये रखने के लिए हमें अधिक से अधिक तकनीक और मशीनों को अपनाना होगा तथा दो, हमारे देश में युवा आबादी बहुत अधिक है, जिसके लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने की आवश्यकता है. भारत सरकार एआई को लेकर नयी नीति बनाने के लिए प्रयासरत है. एआइ के साथ एक बड़ा जोखिम इसका दुरुपयोग है. इस संबंध में तथा एआइ अपनाने को लेकर अंतरराष्ट्रीय सहकार बढ़ाने के लिए कुछ समय पहले नयी दिल्ली में एक सम्मेलन का आयोजन किया गया था. इन प्रयासों में सरकार के साथ-साथ उद्योग जगत, एआइ कंपनियां, विशेषज्ञ आदि भी शामिल हैं. चाहे रोजगार हो या दुरुपयोग का, सभी देश इससे प्रभावित होंगे, इसलिए यह आशा रखनी चाहिए कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नुकसान को रोकने की रणनीति बनेगी.

कई साल तक बजता रहेगा भारत का डंका

दूर-दूर तक कोई नहीं है टक्कर में, ग्लोबल एजेंसी ने दी गुड न्यूज

नई दिल्ली। एजेंसी

यूरोप में एक बार फिर मंदी की आशंका सिर उठा रही है और चीन की इकॉनमी कई मोर्चों पर संघर्ष कर रही है। लेकिन भारत की इकॉनमी के लिए चारों तरफ से गुड न्यूज आ रही है। ग्लोबल रेटिंग एजेंसी फिच (Fitch) का अनुमान है कि भारत अगले कई साल तक दुनिया की सबसे तेज गति से बढ़ती हुई इकॉनमी बना रहेगा। रेटिंग एजेंसी ने स्टैबल आउटलुक के साथ भारत की लॉन्ग टर्म फॉरेन करेंसी रेटिंग 'बीबीबी-' (BBB-) पर बरकरार रखी है। फिच के मुताबिक फाइनेंशियल ईयर 2024 में भारत का जीडीपी ग्रोथ रेट 6.9 फीसदी रहने का अनुमान जताया है। पहले एजेंसी ने भारत की इकॉनमी के इस साल 6.0% की दर से बढ़ने का अनुमान जताया था। फाइनेंशियल ईयर 2025 में यह 6.5% रह सकती है।

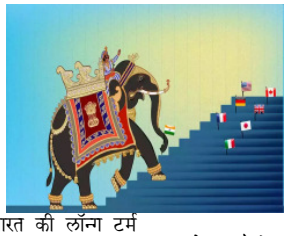

फिच की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत अगले कई साल दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ रही अर्थव्यवस्थाओं में शामिल रहेगा। इसकी वजह यह है कि सरकार इन्फ्रास्ट्रक्चर पर जमकर निवेश कर रही है, निजी निवेश का आउटलुक भी अच्छा है और भारत को युवा आबादी का भी फायदा मिलेगा। बैंकों की हेल्थ और कंपनियों की बैलेंस शीट में सुधार से पॉजिटिव इन्वेस्टमेंट साइकल का रास्ता खुलेगा। लगातार सुधारों से ग्रोथ को पंख लगेंगे। हालांकि रिपोर्ट में लेबर मार्केट को लेकर चिंता जताई गई है। एजेंसी का कहना है कि महिलाओं की भागीदारी बढ़ाया जाना बेहद जरूरी है। अगर महिलाओं के रोजगार के लिए सकारात्मक कदम नहीं उठाए गए तो आगे ग्रोथ प्रभावित हो सकती है।

महंगाई

रेटिंग एजेंसी का कहना है कि भारत में महंगाई में आने वाले दिनों में कमी आने का अनुमान है। फाइनेंशियल ईयर 2024 के अंत तक महंगाई के घटकर 4.7 फीसदी रहने का अनुमान है जो दिसंबर, 2023 में 5.7 फीसदी रही थी। आरबीआई नीतिगत ब्याज दरों में 75 बेसिस पॉइंट की कटौती कर सकता है। अगर ऐसा होता है तो इससे लोगों को लोन की किस्त में राहत मिलेगा और उनके पास खर्च करने के लिए अतिरिक्त पैसा होगा। आरबीआई की मॉनीटरी पॉलिसी कमेटी ने पिछले कई बार से रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया है।

2028 से काफी पहले पांच ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बन सकता है भारत

नई दिल्ली। एजेंसी

केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को कहा कि भारत 2028 से काफी पहले पांच ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था बन सकता है। उन्होंने साथ ही इस बात पर जोर दिया कि देश की

बड़ी आबादी के हितों की रक्षा के लिए ऊर्जा बदलाव को व्यवस्थित तरीके से अंजाम देने की जरूरत है। पुरी ने कहा कि भारत स्थिरता लक्ष्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धताओं से अवगत है और बढ़ती अर्थव्यवस्था की जरूरतों को पूरा करते हुए सभी लक्ष्यों को समय पर पूरा करेगा।विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक 2024 से इतर 'स्थायी आर्थिक वृद्धि के लिए भारत के ऊर्जा बदलाव को गति देना' विषय पर सीआइआइ-ईवाई के सत्र में उन्होंने यह बात कही। उन्होंने विभिन्न व्यापक आर्थिक मापदंडों का उल्लेख करते हुए कहा, 'मुझे नहीं लगता कि हमें पांच ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था बनने के लिए 2028 तक का इंतजार करने की जरूरत है।

आप अगर मौजूदा स्थिति पर गौर करें तो यह 2028 से काफी पहले यह हो जाना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'मेरा मानना है कि बदलाव व्यवस्थित होना चाहिए क्योंकि प्रकृति में परिवर्तन के लिए एक स्पष्ट खाका होना चाहिए। इसमें सभी सुरक्षा उपाय होने चाहिए जो यह सुनिश्चित करेंगे कि कोई भी निर्णय बिना सोचे-समझे न लिया जाए।पुरी ने कहा कि यह भारत जैसे देश के लिए और भी महत्वपूर्ण है, जो अब दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश भी है।

आर्थिक वृद्धि और ऊर्जा के बीच संबंध है जरूरी

मंत्री ने कहा कि जब ऊर्जा की बात आती है, तो आर्थिक वृद्धि और ऊर्जा के बीच संबंध बहुत महत्वपूर्ण है। अब हम चार ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था बनने के करीब हैं, लेकिन तथ्य यह है कि हमें अपनी आबादी के एक बहुत बड़े हिस्से का ख्याल रखने की जरूरत है।' साथ ही उन्होंने कहा, 'मुझे विश्वास है कि ऊर्जा बदलाव पर 2030 के लिए हमारे सभी लक्ष्यों को हम पूरा करेंगे। हमारी हरित हाइड्रोजन नीति व्यापक तौर पर सफल होगी

Google Pay की NPCI के साथ साझेदारी

अब पूरी दुनिया देखेगी भारत के UPI की ताकत

नई दिल्ली। एजेंसी

ऑनलाइन पेमेंट प्लेटफॉर्म UPI भारत का एक पॉपुलर पेमेंट सिस्टम है, जिसकी पूरे भारत में काफी धूम है। हालांकि भारत से बाहर जाने वाले भारतीयों को ऑनलाइन पेमेंट में दिक्कत होती थी, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा, क्योंकि भारत के यूपीआई की धमक तेजी से विदेश में बढ़ रही है। गूगल पे सर्विस भारत के यूपीआई को विदेश में पॉपुलर करने को लेकर एनपीसीआई के साथ साझेदारी की है।

गूगल पे मजबूत करेगा यूपीआई सिस्टम

बता दें कि गूगल पे, फोनपे और पेटीएम इसी यूपीआई सिस्टम पर बेस्ड है, जो नेशनल पेमेंट कारपोरेशन ऑफ इंडिया यानी NPCI के तहत काम करता है। एनपीसीआई और गूगल पे की साझेदारी के बाद विदेश जाने वाले यात्री गूगल पे जैसी सुविधा का लुत्फ उठा पाएंगे। साथ ही इस एमओयू का मकसद देश के बाहर यूपीआई जैसी डिजिटल पेमेंट सिस्टम को दूसरे देशों में लागू करना है। इससे भारत के बाहर ऑनलाइन लेनदेन करना आसान हो जाएगा।

भारत के यूपीआई पेमेंट की बढ़ी ताकत

इस साझेदारी के बाद माना जा रहा है कि भारत के बाहर बाकी दुनिया में यूपीआई की ताकत बढ़ेगी। इससे विदेशी प्लेयर को एक प्लेटफॉर्म मिल जाएगा, जहां से वो ऑनलाइन पेमेंट कर पाएंगे। इसके यूपीआई पॉवर्ड ऐप उददुत ईं की धमक बाकी जगह बढ़ेगी।

क्या है यूपीआई सिस्टम?

यूपीआई एक इंस्टैंट मनी ट्रांसफर सुविधा है। इस सर्विस में मोबाइल टू मोबाइल पेमेंट ट्रांसफर होता है, जिसके अंतर्गत कई सारे थर्ड पार्टी पेमेंट गेटवे जैसे गूगल पे, फोन और पेटीएस जैसी सर्विस काम करती हैं। इसके लिए सारे दिशा-निर्देश बनाने का काम NPCI करती है।

खुशखबरी! पेट्रोल-डीजल के भाव 5 से 10 रुपये तक होंगे कम

अगले महीने मिल सकती है राहत

नई दिल्ली। एजेंसी

पेट्रोल-डीजल की ऊंची कीमतों से परेशान लोगों के लिए खुशखबरी है। अगले महीने लोगों को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में राहत मिल सकती है। पेट्रोल-डीजल के भाव 5 से 10 रुपये तक कम हो सकते हैं। दरअसल सरकारी तेल कंपनियां अपने तीसरी तिमाही के नतीजे जारी करने के बाद अगले महीने पेट्रोल-डीजल की कीमतों को कम करने पर विचार कर सकती हैं। कीमतों में कटौती की वजह कंपनियों का रेकॉर्ड मुनाफा होना है। रिपोर्ट के मुताबिक, सरकारी तेल कंपनियों का नेट प्रॉफिट रेकॉर्ड 75 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा होने की संभावना है। क्रूड ऑयल की कीमतों में भी काफी गिरावट आई है। सरकारी तेल कंपनियों को कच्चा तेल सस्ता मिल रहा है। इससे भी कंपनियों का मुनाफा काफी बढ़ गया है। पब्लिक सेक्टर के फ्यूल रिटेलर्स ने साल 2022 में अप्रैल से दाम नहीं बढ़ाए हैं। कीमतों को स्थिर रखा गया है। अधिकारियों के मुताबिक, मूल्य निर्धारण के लिए गहन समीक्षा की जा रही है। कंपनियां अभी करीब 10 रुपये प्रति लीटर के मार्जिन पर हैं। यही फायदा उपभोक्ताओं को दिया जा सकता है। कंपनियों के इस कदम से महंगाई को कम करने में भी मदद मिल सकती है। वहीं यह कदम साल 2024 में होने जा रहे आम चुनावों में भी महत्वपूर्ण हो सकता है।

तेल कंपनियों ने खूब कमाया मुनाफा

मीडिया रिपोर्ट्स में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि ईंधन की बिक्री पर हाई मार्केटिंग मार्जिन की वजह से तीन ओएमसी (तेल कंपनियों) ने FY2023-24 के Q1 और Q2 में बंपर मुनाफा कमाया है। यह प्रॉफिट तीसरी तिमाही में भी जारी रहेगा। इस महीने के अंत में नतीजों के ऐलान के बाद कंपनियां पेट्रोल-डीजल की दरों को ?5 से 10 प्रति लीटर के बीच कम करने पर विचार कर सकती हैं, जिससे भविष्य में अंतरराष्ट्रीय तेल की कीमतों में बढ़ोतरी को कुछ हद तक रोका जा सके।

इतना हुआ प्रॉफिट

रिपोर्ट के मुताबिक, अब तक 2023-24 की पहली छमाही में तीनों कंपनियों के कुल नेट प्रॉफिट की बात करें तो यह ?57,091.87 करोड़ था। यह 2022-23 के पूरे वित्तीय वर्ष के लिए ?1,137.89 के टोटल मुनाफे से 4,917 फीसदी ज्यादा है।

इस दिन जारी होंगे नतीजे

हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) ने घोषणा की है कि वह 27 जनवरी को अपने तीसरी तिमाही के नतीजे घोषित करेगी, जबकि अन्य दो कंपनियां इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी) और भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) भी इसी समय के आसपास अपने नतीजों का ऐलान करेंगी।

देश में बढ़ी है महंगाई

देश में बीते महीनों में महंगाई बढ़ी है। दिसंबर 2023 में देश की रिटेल महंगाई मामूली रूप से बढ़कर चार महीने के टॉप लेवल 5.69 फीसदी पर पहुंच गई। हालांकि महंगाई में यह इजाफा मुख्य रूप से खानेपीने के सामानों के दाम बढ़ने की वजह से हुआ है। सरकार इसे कम रखने के लिए सभी प्रयास करेगी। सरकार की कोशिश है कि महंगाई को 6 फीसदी से कम पर रखा जाए।

NCPI की मान लेंगे ये 5 बातें तो कभी नहीं होंगे यूपीआई फ्रॉड का शिकार

नई दिल्ली। एजेंसी

यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस यानी यूपीआई कैशलेस ट्रांजेक्शन और ऑनलाइन पेमेंट का सबसे लोकप्रिय साधन बन चुका है। पेटीएम, फोनपे और गूगलपे जैसे यूपीआई ऐप्स का का इस्तेमाल कर देश में करोड़ों लोग लेन-देन कर रहे हैं। यूपीआई ट्रांजेक्शन बढने के साथ ही इससे जुड़ी धोखाधड़ी की घटनाओं में भी इजाफा हो रहा है। वित्त वर्ष 2022-23 में देश में यूपीआई फ्रॉड की 95,000 घटनाएं सामने आईं। ये आंकड़ा उन घटनाओं का है जिनकी रिपोर्ट धोखाधड़ी के शिकार हुए लोगों ने की थी. इसलिए यूपीआई का इस्तेमाल बहुत संभलकर करना चाहिए। ऑनलाइन धोखाधड़ी करने वाले लोग आमतौर पर यूपीआई यूजर्स की लापरवाही या फिर भोलेपन का फायदा उठाते हैं। बैंक या किसी अन्य संस्था का प्रतिनिधि बनकर यूजर्स से निजी जानकारियां हासिल कर लेते हैं। नेशनल पेमेंट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने यूपीआई फ्रॉड से बचने को कुछ तरीके बताएं हैं. अगर आप इनका पालन करते हैं तो आप धोखाधड़ी का शिकार होने से बच जाएंगे।

ळझ्द पिन का केवल पेमेंट करने के लिए

बैंक कभी भी पेमेंट रिसीव करने के लिए आपका PIN नहीं मांगते। अपराधी आमतौर पर यूपीआई यूजर्स को इमरजेंसी का हवाला देते हैं और आपको पेमेंट भेजने की बात कहते हैं। जो इनके जाल में आता है फिर ये उस यूजर्स से पेमेंट रिसीव करने के लिए अपना पिन डालने को कहते हैं. पिन डालते ही वो खाते से पैसे उड़ा लेते हैं।

रिसीवर को वेरिफाई करें

जब भी आपको कहीं पेमेंट करनी हो तो पैसे प्राप्त करने वाली की ळझ्द आईडी की पुष्टि करने के बाद ही पेमेंट करें। उचित सत्यापन के बिना भुगतान करने से बचें। इसी तरह अगर आपको भी कहीं पेमेंट करनी है पेमेंट रिसीवर की अच्छे से छानबीन करें। सोशल मीडिया या ओपेन वेब सोर्स पर शेयर किए गए नंबरों पर पेमेंट करते हुए बहुत से लोगों के साथ धोखाधड़ी हो जाती है।

क्यूआर कोड सिर्फ पेमेंट के लिए

क्यूआर कोड से सिर्फ पेमेंट करें। पेमेंट रिसीव करने के लिए कभी भी क्यूआर कोड स्कैन नहीं करना होता है। इसलिए अगर कभी भी कोई स्कैन करके आपको पेमेंट रिसीव करने को कहें तो ऐसा न करें।

अनावश्यक ऐप्स डाउनलोड करने से बचें

अपने फोन में अनावश्यक ऐप्स डाउनलोड करने से बचें। ऐप हमेशा आधिकारिक ऐप स्टोर से ही डाउनलोड करें। अज्ञात व्यक्तियों द्वारा कहे जाने पर उनके उद्देश्य को समझे बिना स्क्रीन-शेयरिंग या एसएमएस फॉरवर्डिंग ऐप्स तो भूलकर भी डाउनलोड न करें।

स्पैम अलर्ट को न करें अनदेखा

यूपीआई एप्लीकेशन में स्पैम फिल्टर होता है। वो ऐसी पेमेंट रिक्वेस्ट को ट्रैक करते हैं जो बार-बार की जा रही है। अगर आपके पास भी किसी ऐसी ही स्पैम आईडी से पेमेंट रिक्वेस्ट आती है तो यूपीआई एप्लीकेशन आपको चेतावनी देती है। यह चेतावनी बहुत महत्वपूर्ण होती है। इनको नजरअंदाज नहीं करना चाहिए और ऐसी स्पैम आईडी से पेमेंट रिक्वेस्ट को डिक्लाइन कर देना चाहिए।

भारतीय छात्रों ने दिया कनाड़ा को तगड़ा झटका

स्टडी परमिटों की संख्या में 86 फीसदी गिरावट

ओटावा। एजेंसी

कनाडा की ओर से भारतीय छात्रों को जारी किए जाने वाले स्टडी परमिटों की संख्या में पिछले साल के अंत में तेजी से गिरावट आई। साल की आखिरी तिमाही में ये गिरावट 86 फीसदी तक चली गई। कनाडा में सिख आतंकी की हत्या के बाद दोनों देशों के बीच हुए राजनयिक विवाद के चलते कम भारतीय छात्रों ने आवेदन किया है क्योंकि बीते साल के आखिर में दोनों देशों के बीच विवाद बढ़ गया था। कनाडा के आव्रजन मंत्री मार्क मिलर ने एक साक्षात्कार में माना कि स्टडी परमिट की संख्या घटी है और भारतीयों को अध्ययन परमिट की संख्या जल्द ही बढ़ने की भी संभावना नहीं है।

मार्क मिलर ने कहा, हालिया संबंधों ने भारत से कई आवेदनों को जारी करने की हमारी क्षमता को आधा कर दिया है। कनाडा और भारत के तनाव का असर आगे भी पड़ने की संभावना है। मैं आपको यह नहीं बता सकता कि राजनयिक संबंध कैसे विकसित होंगे लेकिन इनका असर जरूर हुआ है। रायटर्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, पिछले वर्ष की चौथी तिमाही में भारतीयों को जारी किए गए अध्ययन परमिट में उससे पिछली तिमाही की तुलना में 86ऱ प्रतिशत की गिरावट आई। एक ही तिमाहई में स्टडी परमिट की संख्या 1,08,940 से घटकर 14,910 रह गई है।

दूसरे देशों को तरजीह दे रहे छात्र

ये कनाडा के लिए बड़ा झटका है क्योंकि कनाडाई विश्वविद्यालयों को अंतर्राष्ट्रीय छात्रों से काफी आमदनी होती है। अंतरराष्ट्रीय छात्रों से कनाडा के विश्वविद्यालयों को सालाना करीब 22 बिलियन कनाडाई डॉलर मिलते हैं। ओटावा में भारतीय उच्चायोग के कंसल्टेंट सुब्रमण्यन ने कहा कि कनाडाई संस्थानों में आवासीय और पर्याप्त शिक्षण सुविधाओं की कमी के मामले हाल के दिनों में चिंता का सबब बने है। ये भी एक वजह है कि अंतरराष्ट्रीय छात्र कारण कनाडा के बजाय अन्य विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। इनमें भारतीय छात्र भी शामिल हैं। वहीं भारतीय छात्रों पर कनाडा से राजनयिक विवाद का भी असर हो रहा है।

बता दें कि बीते साल जून में कनाडा में खालिस्तानी आतंकी हरदीप निज्जर की हत्या हो गई थी। कनाडा सरकार ने कहा था कि इस हत्या में भारतीय एजेंटों के शामिल होने के विश्वसनीय सबूत हैं। कनाडा के इन आरोपों को भारत ने उस आरोप को खारिज कर दिया। कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो ने इस हत्या में भारत के शामिल होने के बात कही तो दोनों देशों के बीच संबंधों में तनाव आ गया। अक्टूबर में कनाडा को भारत सरकार के आदेश पर 41 राजनयिकों भी वापस बुलाना पड़ा। इसके बाद से दोनों देशों के रिश्ते सहज नहीं रहे हैं। ऐसे में इस विवाद ने भारतीय छात्रों को दूसरे देशों में पढ़ने के लिए प्रेरित किया है।

मालदीव नहीं बनेगा श्रीलंका! अंबानी ने चला बड़ा दांव

चीन का प्लान हुआ फेल

नई दिल्ली। एजेंसी

चीन लगातार भारत के पड़ोसी देश में **निवेश कर रहा है। इसमें मालद्वीप और श्रीलंका शामिल हैं। यह दोनों देश हिंद महासार में स्थित है, जो भारत की सुरक्षा के लिहाज से काफी के लिए काफी अहम है। जैसा मालूम है कि श्रीलंका के आर्थिक हालात ठीक नहीं है। ऐसे में श्रीलंका की सरकारी टेलिकॉम कंपनी अपनी हिस्सेदारी बेचना चाहती है। चीन श्रीलंका की टेलिकॉम कंपनी में हिस्सेदारी रखकर भारत पर नजर बनाना चाहता था, लेकिन मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस जियो ने चीन की चाल को फेल करने का प्लान बना लिया है।**

भारत को दोहरा फायदा

रिलायंस जियो श्रीलंका की टेलिकॉम पीएससी में अपनी हिस्सेदारी खरीद सकती है। इसका भारत को दोहरा फायदा होगा। पहला चीन भारत पर नजर नहीं रख पाएगा। साथ ही भारत से श्रीलंका जाने वाले टूरिस्ट को सस्ती दर पर इंटरनेशनल कॉल और डेटा का लुत्फ मिलेगा। बता दें कि श्रीलंका सरकार आर्थिक तौर पर समस्याओं का सामना कर रही है। ऐसे में वो सरकारी कंपनियों का प्राइवेटाइजेशन कर रही है।

ग्लोबल होगी रिलायंस जियो

मनी कंट्रोल की रिपोर्ट की मानें, तो इसके लिए कोंलबो ने श्रीलंका टेलिकॉम पीएलसी की नीलामी के लिए एप्लीकेशन मांगे हैं। इनमें से मुकेश अंबानी की जियो उन तीन कंपनियों में शामिल हैं, जिसने श्रीलंका के टेलिकॉम कंपनी में हिस्सेदारी खरीदने की इच्छा जाहिर की है। श्रीलंका के टेलिकॉम सेक्टर में एंट्री के बाद जियो ग्लोबल टेलिकॉम मार्केट में हावी हो सकती है। मौजूदा वक्त में जियो भारत की सबसे बड़ी टेलिकॉम कंपनी है। ऊँ के अक्टूबर 2023 के आंकड़ों की मानें, तो जियो ने इस एक माह में 31.59 लाख ने यूजर्स जोड़ें हैं।

इंदौर जीपीओ में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम से सम्बंधित डाक टिकट एवं विशेष आवरण प्रदर्शनी का आयोजन

राम एस. पाल

इंदौर। जीपीओ में को पोस्ट मास्टर जनरल इंदौर क्षेत्र इंदौर, सुश्री प्रीती अग्रवाल के अध्यक्षता तथा डॉ रेनू जैन, कुलपति देवी अहिल्या विश्विद्यालय इंदौर के मुख्य आतिथ्य में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम से सम्बंधित डाक टिकट एवं विशेष आवरण प्रदर्शनी का शुभारम्भ गया । प्रदर्शनी में इंदौर के वरिष्ठ फिलेटेलिस्ट श्री ओम प्रकाश केडिया द्वारा प्रभु श्री राम पर जारी डाक टिकिटो का प्रदर्शन किया गया, जिसमे भारत में पहला रामायण आधारित डाक टिकट, भगवान श्री राम का दशावतार रूप, राम-लक्ष्मण जटायु की पीड़ा आदी आकर्षण का केंद्र रहे ।

मुख्य अतिथि द्वारा श्रीराम की महिमा का वर्णन किया गया तथा उनके आदर्शों को जीवन में उतारने प्रोत्साहित किया गया इसी क्रम में पोस्टमास्टर जनरल महोदया द्वारा श्रीराम के चरित्र का वर्णन कर उनसे प्रेरणा लेने एवं 22 जनवरी को आयोजित होने वाले भव्य आयोजन हेतु अग्रिम बधाई दी गई । वरिष्ठ फिलेटेलिस्ट द्वारा भी श्रीराम पर आधारित प्रदर्शनी के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी गई ।

प्रदर्शनी दिनांक 16-01-2024 से 22-01-2024 तक प्रातः 10 बजे से शाम 6 बजे तक सामान्य नागरिकों हेतु प्रदर्शित की जाएगी । इस अवसर पर प्रवर अधीक्षक डाकघर इंदौर, क्षेत्रीय कार्यालय इंदौर के वरिष्ठ अधिकारीगण, इंदौर नगर मंडल के अधिकारीगण, वरिष्ठ फिलाटेलिस्ट तथा गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे ।

बढ़ती भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं, लॉजिस्टिक व्यवधानों, धीमी वैश्विक आर्थिक सुधार और मांग के कारण निर्यात में मामूली वृद्धि हुई : फियो

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

दिसंबर 2023 के निर्यात डेटा, जिसमें 38.45 बिलियन अमेरिकी डॉलर के निर्यात के साथ 1 प्रतिशत की मामूली वृद्धि देखी गई, पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए फियो के (कार्यवाहक) अध्यक्ष श्री इसरार अहमद ने कहा कि यह बढ़ती भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं, लॉजिस्टिक चुनौतियों, धीमी वैश्विक आर्थिक सुधार और मांग के कारण है। फियो प्रमुख ने यह भी कहा

कि पिछले साल दिसंबर में आयात 4.85 प्रतिशत घटकर 58.25 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया। उन्होंने यह भी दोहराया कि चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-दिसंबर के दौरान निर्यात मामूली रूप से 5.7 प्रतिशत घटकर 317.12 बिलियन अमेरिकी डॉलर रह गया, लेकिन आयात पर निर्भरता 7.93 प्रतिशत कम होकर 505.15 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गई। 2022 में ऊंचे स्तर से वस्तुओं की कीमतों में कमी ने भी गिरावट में योगदान दिया।

श्री अहमद ने कहा कि लगभग सभी देशों के निर्यात में गिरावट का रुझान दिख रहा है, कई देशों में दोहरे अंक में कमी देखी जा रही है। फियो अध्यक्ष ने आगे दोहराया कि पश्चिम एशिया में हाल के तनाव, विशेष रूप से लाल सागर के माध्यम से जाने वाली खेपों के खतरे ने निर्यातक समुदाय की परेशानियों को और बढ़ा दिया है, क्योंकि माल ढुलाई दरें अकल्पनीय रूप से ऊंची हो गई हैं, साथ ही विभिन्न अधिभार का बोझ बढ़ गया है, जिससे भारतीय निर्यातकों को आगे बढ़ना पड़ रहा है। लाल सागर के माध्यम से पारगमन करने वाले लगभग 25 प्रतिशत आउटबाउंड शिपमेंट को रोक दिया गया, जिससे दुनिया भर के व्यवसायों और बाजारों में संदेह और घबराहट की भावना बढ़ गई। माह के दौरान वस्तुओं के निर्यात में मामूली वृद्धि देखी गई, जबकि सेवाओं ने अपनी वृद्धि की गति जारी रखी और बढ़ती प्रवृत्ति को बनाए रखा, जिससे व्यापार घाटे को कम करने में मदद मिली।

फियो के अध्यक्ष ने दोहराया कि समुद्री बीमा की उपलब्धता सुनिश्चित करने और माल ढुलाई शुल्क में कमी लाने के जरिये लाल सागर की चुनौतियों का समाधान करके निर्यात क्षेत्र को बहुत जरूरी गति प्रदान करना समय की मांग है। इसके अतिरिक्त, इस क्षेत्र को आसान और कम लागत वाले ऋण, विपणन सहायता के अलावा ब्रिटेन, ओमान और यूरोपीय संघ के साथ प्रमुख एफटीए के समापन की आवश्यकता है, जो जल्द ही अस्तित्व में आ जाएगा। श्री इसरार अहमद ने आशा जताते हुए कहा कि वित्तीय वर्ष-वार निर्यात पिछले वर्ष के आंकड़ों को पार कर जाएगा।

एयरटेल और वोडाफोन आइडिया के लिए बड़ी खबर, बिना नीलामी के स्पेक्ट्रम देगी सरकार

नई दिल्ली। एजेंसी

सरकार भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया को बिना नीलामी के स्पेक्ट्रम आवंटित करेगी। सूत्रों के मुताबिक दोनों कंपनियों के लाइसेंस फरवरी और मार्च में खत्म हो रहे हैं और अभी स्पेक्ट्रम की नीलामी कर पाना संभव नहीं है। मालूम हो कि भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया के कुल 6 स्पेक्ट्रम लाइसेंस फरवरी और मार्च में खत्म हो रहे हैं. मार्च तक जम्मू कश्मीर, बिहार यूपी ईस्ट और पश्चिम बंगाल के लाइसेंस खत्म हो जाएंगे। सरकार की ओर से फिलहाल स्पेक्ट्रम की नीलामी कर पाना संभव नहीं है. ऐसा इसलिए क्योंकि नीलामी के लिए कम से कम 45 दिन का समय चाहिए. सरकार कंपनियों को 3 महीने के लिए स्पेक्ट्रम देगी। टेलीकॉम कंपनियों को रिजर्व प्राइस पर स्पेक्ट्रम लेना होगा. इसके बाद मार्च के अंत में स्पेक्ट्रम की नीलामी होने की उम्मीद है. नीलामी के बाद कंपनियां स्पेक्ट्रम की पूरी कीमत देगी।

इस तरह 31 जनवरी से पहले घर बैठे करा लें फास्टैग की केवाईसी, इन दस्तावेजों की पड़ेगी जरूरत

नई दिल्ली। एजेंसी

अगर आप फास्टैग का इस्तेमाल कर रहे हैं तो आपके लिए जरूरी खबर है। आपको 31 जनवरी तक हर हाल में फास्टैग की केवाईसी अपडेट करानी होगी। ऐसा नहीं करने पर आपका फास्टैग ब्लॉक हो जाएगा। नेशनल हाइवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (NHAI) के मुताबिक, खाते में राशि होने के बावजूद अधूरे ख्भ्ण वाले फास्टैग 31 जनवरी के बाद निष्क्रिय या ब्लैकलिस्ट कर दिए जाएंगे। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के आदेश का उल्लंघन करते हुए एक विशेष वाहन के लिए कई फास्टैग जारी किए जाने और केवाईसी के बिना फास्टैग जारी किए जाने की हालिया रिपोर्टों के बाद ऐ ने यह पहल की है। इसके साथ ही फास्टैग के बेहतर एक्सपीरियंस को बढ़ावा देने के लिए भी फैसला लिया गया है। फास्टैग की केवाईसी आप घर बैठे ऑनलाइन भी अपडेट करा सकते हैं। इसके लिए आपको कहीं भागादौड़ी करने की जरूरत नहीं है। यहां हम आपको इसकी पूरी प्रॉसेस बताने जा रहे हैं।

ऐसे अपडेट करें फास्टैग केवाईसी

फास्टैग को घरबैठे अपडेट कराने के लिए आपको https://fastag.ihmcl.com पर जाएं। अब होमपेज पर दाएं तरफ लॉगइन का विकल्प होगा। इस पर क्लिक करें। इसके बाद अपना रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर डालें। अगर यदि पासवर्ड नहीं पता है तो कैप्चा डालकर ओटीपी पर जाएं। इसके बाद मोबाइल पर ओटीपी आएगा। अब आगे की प्रक्रिया पूरी करें. इसके बाद केवाईसी अपडेट हो जाएगा।

इन दस्तावेजों की पड़ेगी जरूरत

फास्टैग की केवाईसी के लिए आपको ड्राइविंग लाइसेंस, मतदाता पहचान पत्र, पैन कार्ड, आधार कार्ड, वाहन के पंजीकरण प्रमाणपत्र (आरसी) आदि दस्तावेजों की जरूरत पड़ेगी।

हटाने होंगे ये फास्टैग

बयान के मुताबिक, किसी भी तरह की असुविधा से बचने के लिए उपयोगकर्ताओं को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके नवीनतम फास्टैग का ख्भ्ण पूरा हो गया है। इसके साथ ही उपयोगकर्ताओं को 'एक वाहन, एक फास्टैग' का भी पालन करना होगा और अपने बैंकों के माध्यम से पहले जारी किए गए सभी फास्टैग को हटाना होगा। इस संबंध में किसी तरह की सहायता या जानकारी के लिए फास्टैग उपयोगकर्ता अपने नजदीकी टोल प्लाजा या संबंधित जारीकर्ता बैंकों के टोल-फ्री ग्राहक सेवा नंबर पर संपर्क कर सकते हैं।

मंत्रालय ने जारी की एडवायजरी

मंत्रालय की ओर से फास्टैग को लेकर एडवायजरी जारी की गई है। इसमें कहा गया है कि जिन लोगों ने किसी न किसी तरह एक गाड़ी नंबर पर एक से ज्यादा फास्टैग जारी करा लिए हैं। इनमें से उनका एक ही फास्टैग चलेगा। इसकी भी उन्हें केवाईसी करानी होगी। वहीं बाकी के फास्टैग संबंधित बैंकों द्वारा आरबीआई के नियमों के तहत ब्लैकलिस्ट कर दिए जाएंगे। चाहे उनमें कितना भी पैसा क्यों न हो।

ये हैं नए नियम

नए नियमों के तहत लोगों का नवीनतम फास्टैग ही जारी रहेगा, बाकी सभी फास्टैग ब्लैकलिस्ट कर दिए जाएंगे। बताया गया है कि इससे टोलप्लाजा की कार्यकुलशता बढ़ जाएगी। कई लोगों ने एक गाड़ी के लिए एक से ज्यादा फास्टैग जारी करा लिए हैं। इससे टोल प्लाजा पर कई तरह की समस्याएं होती हैं। कुछ मामलों में इस तरह से टोल की चोरी भी की जा रही है। मंत्रालय के मुताबिक, लोग फास्टैग की अपने-अपने बैंकों से केवाईसी जरूर करा लें। इसके बाद उन्हें दिक्कत हो सकती है। केवाईसी अपडेट कराने में अगर कोई समस्या आती है तो फास्टैग का इस्तेमाल करने वाले किसी भी पास के टोल प्लाजा या अपने उस बैंक के टोल फ्री कस्टमर केयर नंबर पर कॉल करके जानकारी ले सकते हैं। जिसका वह फास्टैग इस्तेमाल कर रहे हैं।

सिरदर्द बनी मंजिल पूछकर कैब कैंसिल करने की समस्या, लगातार बढ़ रहे मामले

नई दिल्ली। एजेंसी

भारत में ऐप-आधारित कैब सर्विस की पहुंच अब लगभग हर छोटे-बड़े शहरों में हो चुकी है। ये सर्विस देने वालों में ओला और उबर के अलावा ब्लूस्मार्ट, इनड्राइव, रैपिडो आदि कंपनियां शामिल हो चुकी हैं, जो लोगों को अधिक से अधिक ऑप्शन दे रही हैं। कई बार देखा गया है कि ड्राइवर किसी विशेष डेस्टिनेशन पर नहीं जाना चाहते या डिजिटल भुगतान स्वीकार नहीं करना चाहते। सर्ज प्राइसिंग और ड्राइवरों के गलत व्यवहार की शिकायतें भी आती रहती हैं। ड्राइवरों की ओर से अंतिम समय में बुकिंग कैंसल करने के बढ़ते मामले भी लोगों के लिए सिरदर्द बन गए हैं।

बनी हुई है समस्या

अप्रैल 2022 में लोकलसर्कल्स के एक सर्वेक्षण से पता चला कि 71ड्ड ऐप बेस्ड टैक्सी सर्विस के उपभोक्ता बुकिंग रद्द करने की समस्याओं का सामना कर रहे थे। मई 2022 में लोकलसर्कल्स सर्वेक्षण जारी होने के बाद, उपभोक्ता नियामक सीसीपीए ने अनुचित व्यापार प्रथाओं पर कुछ प्लेटफॉर्मों को नोटिस जारी किया, लेकिन इसका भी बुकिंग कैंसिलेशन पर खास प्रभाव नहीं पड़ा। अभी तक केवल दिल्ली सरकार ही कैब पॉलिसी का ड्राफ्ट लेकर आई है। हालांकि, इससे भी अंतिम समय में ड्राइवरों की ओर से बुकिंग कैंसल करने की घटनाओं पर रोक नहीं लग सकी।

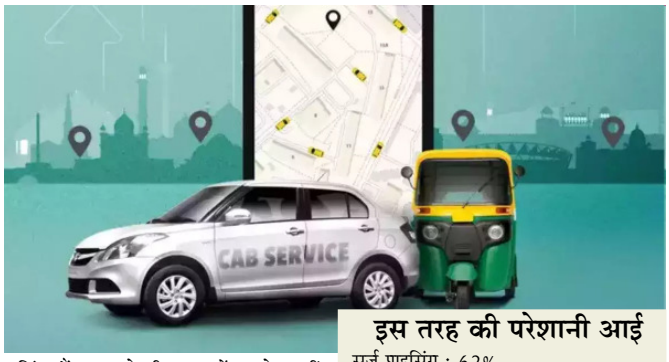

देश के 276 जिलों में हुआ सर्वेक्षण

ऐप-आधारित टैक्सी एग्रीगेटर्स पर लगातार आ रही शिकायतों को देखते हुए लोकलसर्कल्स ने यह पता लगाने के लिए एक और राष्ट्रीय सर्वेक्षण करने का निर्णय लिया, जिसमें देखा गया कि पिछले 12 महीनों में उपभोक्ताओं के लिए जमीनी स्तर पर कुछ भी बदलाव आया है या नहीं। सर्वेक्षण भारत के 276 जिलों में हुआ। इस दौरान ऐप बेस्ड टैक्सी के उपभोक्ताओं से 44,000 से अधिक प्रतिक्रियाएं मिलीं। उत्तर देने वालों में 64% पुरुष और 36% महिलाएं थीं। 41% उत्तरदाता टियर 1 से, 36% टियर 2 से और 23% उत्तरदाता टियर 3, 4 और ग्रामीण जिलों से थे।

इस तरह की परेशानी आई

सर्ज प्राइसिंग : 62%
लॉन्ग वेटिंग टाइम : 48%
कैंसिलेशन चार्ज : 23%
सेफ्टी इश्यूज : 6%
ड्राइवर की ओर से बुकिंग कैंसल : 75%
गाड़ी की सफाई की समस्या : 29%
शिष्टता संबंधित : 8%
अन्य : 12%
कोई समस्या नहीं : 0%
कुल प्रतिक्रियाएं : 11,119

इस कारण रद्द हुई बुकिंग

डेस्टिनेशन का पता लगने पर : 37%
कैश पेमेंट का पता चलने पर : 5%
उपरोक्त दोनों केस में : 42%
अन्य कारण : 9%
कोई परेशानी नहीं हुई : 5%
कह नहीं सकते : 2%
कुल प्रतिक्रियाएं : 10,948

भारत से पंगा लेकर फंस गया मालदीव

हर रोज हो रहा इतने करोड़ रुपये का तगड़ा नुकसान, जाने को कोई तैयार नहीं

नई दिल्ली। एजेंसी

भारत से पंगा लेना मालदीप को भारी पड़ रहा है। मालदीप को बड़ा झटका लगा है। अब मालदीव पर अब बॉयकॉट का असर दिखने लगा है। मालदीव को भारत के बॉयकॉट से हर दिन करोड़ों का नुकसान हो रहा है। मालदीप का रेवेन्यू टूरिस्ट और टूरिज्म पर सबसे ज्यादा निर्भर है। ऐसे में अब बॉयकॉट से उसकी कमाई को बड़ा नुकसान पहुंच रहा है। हालात संभालने के लिए मालदीव ने अपने यहां घूमने का खर्चा भी आधा कर दिया, लेकिन इसके बाद भी भारतीय वहां जाने के लिए तैयार नहीं हैं। मालदीव सरकार के कुछ अधिकारियों ने प्रधानमंत्री की लक्षद्वीप ट्रिप को लेकर आप्पतिजनक टिप्पणी की थी। इसके बाद से बॉयकॉट मालदीव ट्रेंड करने लगा है। मालदीव को भारत के बॉयकॉट से हर दिन करोड़ों का नुकसान हो रहा है।

कंगाली की कगार पर मालदीव

मालदीव अब कंगाली की कगार पर है। इस पूरे विवाद से पहले तक मालदीव भारतीयों के पसंदीदा पर्यटन स्थलों में शामिल था। मालदीप में हर साल लाखों भारतीय घूमने जाते थे, लेकिन भारतीयों के बॉयकॉट की वजह से मालदीव ने खुद कहा है कि उसके 44 हजार परिवारों पर संकट आ गया है। भारतीयों की नाराजगी के कारण उसकी टूरिज्म इंडस्ट्री बुरी तरह प्रभावित हुई है।

हर दिन करोड़ों का नुकसान

मालदीव को ताजा विवाद के बाद रोजाना रेवेन्यु का तगड़ा नुकसान हो रहा है। पिछले साल यानी 2023 में बड़ी संख्या में भारतीय मालदीप में घूमने गए थे। पिछले साल सिर्फ मालदीव में भारतीयों ने 38 करोड़ डॉलर (करीब 3,152 करोड़ रुपये) खर्च किए थे। ऐसे में देखें तो अगर भारतीयों ने वहां जाना बंद कर दिया तो मालदीव को हर दिन कम से कम 8.6 करोड़ रुपये का नुकसान हो सकता है।

भारी पड़ी गलती

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लक्षदीप पर फोटो शूट कराने और उसकी तुलना मावदीव से करने पर मालदीव के मंत्रियों ने पीएम का मजाक उड़ाया था। इसके बाद भारत की तमाम बड़ी सेलिब्रिटी से लेकर केंद्रीय मंत्रियों ने इसका विरोध जताया था। इसके बाद मालदीव के मंत्रियों को इस्तीफा तक देना पड़ा था। मालदीव के विरोध के बाद अब भारतीयों मालदीव जाने का बहिष्कार कर दिया है।

भारत के आगे फीकी पड़ने लगी चीनी इकॉनमी

नई दिल्ली/हांगकांग। एजेंसी

कहने को चीनी अर्थव्यवस्था भारत के मुकाबले बड़ी है, मगर उसके बढ़ने की गति भारत की तुलना में काफी धीमी है। ताजा खबर है कि चीनी अर्थव्यवस्था बीती अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में तेज रफ्तार से बढ़ी, लेकिन सालाना रफ्तार पर बहुत असर नहीं पड़ा। 2023 में यह 5.2 प्रतिशत की दर से बढ़ी, जिसके चलते चीन सरकार ने 2023 में 5 प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि दर का लक्ष्य पार कर लिया। समाचार एजेंसी एपी के अनुसार, व्यापारिक आंकड़े और आर्थिक पुनरुद्धार अभी 'असमतल' हैं।

बुधवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, चीन की अर्थव्यवस्था 2023 में 5.2 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। सरकार ने 2023 के लिए आर्थिक वृद्धि का लक्ष्य पांच प्रतिशत तय किया था।

बीते साल यानी 2023 की आर्थिक वृद्धि दर को काफी हद तक 2022 के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़ों से मदद मिली है। 2022 में चीन की वृद्धि दर 3 प्रतिशत रही थी। बीते साल की चौथी अक्टूबर-दिसंबर की तिमाही में चीन की जीडीपी वृद्धि दर सालाना आधार पर 5.2 प्रतिशत रही है। वहीं तिमाही आधार पर यह एक प्रतिशत रही है।

बढ़ने की गति में भारत कहीं आगे

इसकी तुलना यदि भारत की जीडीपी से करें तो यह 7.3 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। जबकि पिछले वित्त वर्ष के दौरान 7.2 प्रतिशत की गति से बढ़ी थी। नेशनल स्टैटिकल ऑफिस (NSO) द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, असल में भारत की जीडीपी ग्रोथ 7.3 प्रतिशत की गति से बढ़ रही है। यह एनएसओ का पूर्वानुमान है. बता दें कि यह भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के 7 प्रतिशत के अनुमान से ऊपर चल रही है।

समाचार एजेंसी भाषा की एक रिपोर्ट के अनुसार, 10 जनवरी को गांधीनगर में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने विश्वास जताया कि भारत वित्त वर्ष 2027-28 तक 5 लाख करोड़ डॉलर से अधिक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के साथ दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। अभी चीन की जीडीपी 17.73 लाख करोड़ डॉलर है, जबकि भारत की जीडीपी अभी 3.18 लाख करोड़ डॉलर की है।

2024-25 तक 4,000 अरब डॉलर के पार होगी : पीएचडी चैंबर

देश की अर्थव्यवस्था 2024-25 में 4,000 अरब डॉलर के पार हो जाने की उम्मीद है। वहीं 2026-27 तक इसके बढ़कर 5,000 अरब डॉलर होने का अनुमान है। उद्योग मंडल पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने बुधवार को एक रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया है। उद्योग मंडल ने यह भी कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक 2024 के अंत तक सोच-विचार कर रेपो दर में एक प्रतिशत तक की कटौती कर सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है, 'भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत विकास का सबूत दिखा रही हैष्ठ उपयुक्त

नीतिगत उपायों के जरिये आने वाले दिनों में वैश्विक अर्थव्यवस्था के समक्ष उत्पन्न जोखिम को कम करने को लेकर सतर्क रहने की जरूरत है।'

चीन दुनिया खोल रहा है अपने दरवाजे

उधर, चीन के प्रधानमंत्री ली क्विंग ने मंगलवार को कहा था कि उनका देश बहुपक्षवाद और अपनी अर्थव्यवस्था को ज्यादा खोलने के साथ बाजार के अवसर दुनिया से साझा करने के लिए प्रतिबद्ध है। क्विंग ने विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक में एक विशेष संबोधन में अंतरराष्ट्रीय सहयोग के लिए व्यापार-अनुकूल माहौल सुनिश्चित करने की चीन की प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने वृहद-आर्थिक नीति के सख्त बहुपक्षीय समन्वय, हरित विकास पर अंतरराष्ट्रीय सहयोग और उत्तर-दक्षिण के बीच सहयोग का आह्वान किया। चीन के प्रधानमंत्री ने अपने देश के वृहद-आर्थिक स्वास्थ्य के लिए आशावादी पूर्वानुमान रखने के साथ बहुराष्ट्रीय कंपनियों को व्यापार-समर्थक नीतियों का भरोसा भी दिलाया। उन्होंने दावोस बैठक की विषयवस्तु 'विश्वास के पुनर्निर्माण' का जिक्र करते हुए कहा, 'यह जरूरी है कि हम पूर्वाग्रहों को त्यागें और विश्वास की कमी को दूर करने की दिशा में काम करें।'

शेयर मार्केट में सेंसेक्स 1,600 अंक गिरा

निवेशकों के 4.7 लाख करोड़ स्वाहा

नई दिल्ली। एजेंसी

घरेलू शेयर बाजार में आज भारी गिरावट देखने को मिली। विदेशी बाजारों से आ रहे नकारात्मक संकेतों के बीच बीएसई सेंसेक्स में 1,600 अंक से अधिक गिरावट आई। सेंसेक्स 1628 अंक यानी 2.23 फीसदी गिरावट के साथ 71,500.76 अंक पर बंद हुआ। यह सेंसेक्स का 16 महीने में एक दिन में सबसे बड़ी गिरावट है। इससे पहले सेंसेक्स में 13 जून, 2022 को 2.68 परसेंट की गिरावट आई थी। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 460 अंक यानी 2.09 फीसदी की गिरावट के साथ 21,571.95 अंक पर बंद हुआ। एचडीएफसी बैंक के नतीजे उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहने से इसके शेयरों में 8.5 फीसदी गिरावट रही जो तीन साल में इसका सबसे खराब प्रदर्शन है। निफ्टी बैंक में 1800 अंक यानी करीब चार फीसदी गिरावट रही। यह मार्च, 2022 के बाद इसमें सबसे बड़ी गिरावट है। कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, आईडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक, फेडरल बैंक और एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक में दो से चार फीसदी की गिरावट रही। सेंसेक्स में आई गिरावट से निवेशकों को 4.7 लाख करोड़ रुपये का झटका लगा। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप 4.69 लाख करोड़ रुपये घटकर 370.25 लाख करोड़ रुपये रह गया जो पिछले सेशन में 374.95 लाख करोड़ रुपये था। सेक्टोरल

इंडेक्स की बात करें तो निफ्टी बैंक, फाइनेंशियल सर्विसेज और प्राइवेट बैंक इंडेक्सेज में चार फीसदी से अधिक गिरावट आई। निफ्टी मेटल इंडेक्स में तीन फीसदी और निफ्टी पीएसयू बैंक में 1.7 फीसदी गिरावट रही। हालांकि निफ्टी आईटी इंडेक्स में 0.65 फीसदी तेजी आई। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से 25 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। टाटा स्टील और कोटक महिंद्रा में चार फीसदी गिरावट रही। केवल टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक, इन्फोसिस, टीसीएस, नेस्ले इंडिया और एलएंडटी के शेयरों में तेजी रही। एचडीएफसी बैंक का शेयर 8.46 फीसदी गिरावट के साथ 1536.90 रुपये पर बंद हुआ जो 23 मार्च, 2020 के बाद इसका सबसे खराब प्रदर्शन है। कंपनी ने मंगलवार को बंद होने के बाद दिसंबर तिमाही के नतीजे घोषित किए थे। इस दौरान कंपनी की नेट प्रॉफिट पिछली तिमाही के मुकाबले 2.5 परसेंट बढ़ा है लेकिन यह निवेशकों की उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा।

क्यों आई गिरावट

जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के हेड ऑफ रिसर्च विनोद नायर ने कहा कि बैंकिंग शेयरों में गिरावट के साथ-साथ अमेरिकी फेड रिजर्व के ब्याज दरों में कटौती में देरी की आशंका से बाजार में गिरावट आई। चीन से ग्रोथ के आंकड़े उत्साहजनक नहीं है। साथ ही यूएस में बॉन्ड यील्ड में तेजी आ रही है। साथ ही बड़े पैमाने पर आज मुनाफावसूली हुई। इन सब कारणों से बाजार की धारणा प्रभावित हुई और बाजार में गिरावट आई। एशियाई बाजारों में भी बुधवार को भारी गिरावट देखने को मिली। चीन में ग्रोथ के आंकड़े उत्साजनक नहीं हैं। चौथी तिमाही में चीन की इकॉनमी में 5.2 फीसदी तेजी रही जो उम्मीदों के मुताबिक नहीं है। चीन का ब्लू-चिप इंडेक्स शुरुआती कारोबार में एक फीसदी से भी ज्यादा गिरावट दिखा रहा था। इसी तरह हॉन्ग कॉन्ग के हैंग सेंग इंडेक्स में 2.5 फीसदी गिरावट रही।

फटाफट निपटा लें सभी जरूरी काम, अगले हफ्ते इतने दिन बंद रहेंगे बैंक, नोट कर लें तारीख

नई दिल्ली। एजेंसी

अगर आपका बैंक से संबंधित कोई काम है तो उसे फटाफट निपटा लीजिए। अगले सप्ताह बैंकों में छुट्टियों की भरमार है। ऐसे में आपका जरूरी काम अटक सकता है। आपको समस्या हो सकती है। अगले सप्ताह 21 जनवरी से 28 जनवरी के बीच कई दिन बैंक बंद रहने वाले हैं। यहां हम आपको बैंकों की छुट्टियों की पूरी लिस्ट देने जा रहे हैं, जिससे आपको किसी तरह की समस्या न हो। अगले सप्ताह 22 जनवरी को अयोध्या में रामलला (Ram Mandir) की प्राणप्रतिष्ठा का भव्य आयोजन भी होने वाला है। बड़े स्तर पर होने वाले मंदिर के उद्घाटन को देखते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने सार्वजनिक अवकाश की घोषणा की है। क्या इन दिन बैंकों में अवकाश रहेगा या नहीं? आईए आपको बताते हैं कि देश में अगले सप्ताह किन तारीखों पर बैंक बंद रहने वाले हैं।

इन तारीखों पर बंद हैं बैंक

21 जनवरी पर रविवार के कारण पूरे देश में बैंक बंद रहेंगे

22 जनवरी को इमोइनु इरतपा की वजह से इंफाल में बैंक बंद रहेंगे

22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर का उद्घाटन होने के चलते यूपी के सारे बैंक बंद रहेंगे

23 जनवरी को गान-नगाई के कारण मणिपुर में बैंकों में अवकाश रहेगा

25 जनवरी को उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु में मोहम्मद हजरत अली के जन्मदिन के कारण बैंक बंद रहेंगे

26 जनवरी जनवरी को गणतंत्र दिवस के मौके पर पूरे देश में बैंक बंद रहेंगे

27 जनवरी को चौथे शनिवार के कारण पूरे देश के बैंकों में अवकाश रहेगा

28 जनवरी को रविवार के कारण बैंक बंद रहने वाले हैं।

प्रेरणादायी हैं गुरु गोबिंद सिंह के उपदेश

सिखों के 10वें गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह जी का 357वां प्रकाश पर्व इस वर्ष 17 जनवरी को मनाया जा रहा है। हिन्दू कैलेंडर के अनुसार गुरु गोबिंद सिंह का जन्म 1667 ई. में पौष माह की शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को 1723 विक्रम संवत् को पटना साहिब में हुआ था । प्रतिवर्ष इसी दिन गुरु गोबिंद सिंह का प्रकाशोत्सव मनाया जाता है। बचपन में गुरु गोबिंद सिंह जी को गोबिंद राय के नाम से जाना जाता था। उनके पिता गुरु तेग बहादुर सिखों के 9वें गुरु थे। पंजाबी, हिन्दी, संस्कृत, बृज, फारसी भाषाएं सीखने के साथ गुरु गोबिंद सिंह जी ने घुड़सवारी, तीरंदाजी, नेजेबाजी इत्यादि युद्ध कलाओं में भी महारत हासिल की थी। कश्मीरी पंडितों के धार्मिक अधिकारों की रक्षा के लिए उनके पिता और सिखों के 9वें गुरु तेग बहादुर जी द्वारा नवम्बर 1975 में दिल्ली के चांदनी चौक में शीश कटाकर शहादत दिए जाने के बाद मात्र 9 वर्ष की आयु में ही गुरु गोबिंद सिंह जी ने सिखों के 10वें गुरु पद की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभाली और खालसा पंथ के संस्थापक बने । अत्याचार और अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने के लिए गुरु गोबिंद सिंह जी का वाक्य 'सवा लाख से एक लड़ाऊं तां गोबिंद सिंह नाम धराऊ' सैकड़ों वर्षों बाद आज भी प्रेरणा और हिम्मत देता है। उन्होंने समाज में फैले भेदभाव को समाप्त कर समानता स्थापित की थी और लोगों में आत्मसम्मान तथा निडर रहने की भावना पैदा की। शौर्य, साहस, त्याग और बलिदान के सच्चे प्रतीक तथा इतिहास को नई धारा देने वाले अद्वितीय, विलक्षण और अनुपम व्यक्तित्व के स्वामी गुरु गोबिंद सिंह को इतिहास में एक विलक्षण क्रांतिकारी संत व्यक्तित्व का दर्जा प्राप्त है। एक आध्यात्मिक गुरु होने के साथ-साथ वे एक निर्भयी योद्धा, कवि, दार्शनिक और उच्च कोटि के लेखक भी थे। उन्हें विद्वानों का संरक्षक भी माना जाता था। कहा जाता है कि 52 कवियों और लेखकों की उपस्थिति सदैव उनके दरबार में बनी रहती थी और इसीलिए उन्हें 'संत सिपाही' भी कहा जाता था। उन्होंने स्वयं कई ग्रंथों की रचना की थी। 'विचित्र नाटक' को गुरु गोबिंद सिंह की आत्मकथा माना जाता जो उनके जीवन के विषय में जानकारी का सबसे महत्वपूर्ण स्रोत है। यह 'दशम ग्रंथ' का एक भाग है, जो गुरु गोबिंद सिंह की कृतियों के संकलन का नाम है। इस दशम ग्रंथ की रचना गुरु जी ने हिमाचल के पोंटा साहिब में की थी। कहा जाता है कि गुरु गोबिंद सिंह एक बार अपने घोड़े पर सवार होकर हिमाचल प्रदेश से गुजर रहे थे और एक स्थान पर उनका घोड़ा अपने आप आकर रुक गया। उसी के बाद से उस जगह को पवित्र माना जाने लगा और उस जगह को पोंटा साहिब के नाम से जाना जाने लगा। दरअसल 'पोटा' शब्द का अर्थ होता है 'पांव' और जिस जगह पर घोड़े के पांव अपने आप थम गए, उसी जगह को पोंटा साहिब नाम दिया गया। गुरु जी ने अपने जीवन के चार वर्ष पोंटा साहिब में ही बिताए, जहां अभी भी उनके हथियार और कलम रखे हैं। 1699 में बैसाखी के दिन तख्त श्री केसगढ़ साहिब में कड़ी परीक्षा के बाद पांच सिखों को 'पंज प्यारे' चुनकर गुरु गोबिंद सिंह ने खालसा पंथ की स्थापना की थी, जिसके बाद प्रत्येक सिख के लिए कृपाण या श्रीसाहिब धारण करना अनिवार्य कर दिया गया। वहीं पर उन्होंने 'खालसा वाणी' भी दी, जिसे 'वाहे गुरु जी का खालसा वाहेगुरु जी की फतेह' कहा जाता है। उन्होंने जीवन जीने के पांच सिद्धांत दिए थे, जिन्हें 'पंच ककार' (केश, कड़ा, कृपाण, कंघा और कच्छा) कहा जाता है। गुरु गोबिंद सिंह ने ही ' गुरु ग्रंथ साहिब' को सिखों के स्थायी गुरु का दर्जा दिया था। सन 1708 में उन्होंने महाराष्ट्र के नांदेड़ में शिविर लगाया था। वहां जब उन्हें लगा कि अब उनका अंतिम समय आ गया है, तब उन्होंने संगतों को आदेश दिया कि अब गुरु ग्रंथ साहिब ही आपके गुरु हैं। उन्होंने कई बार मुगलों को परास्त किया। आनंदपुर साहिब में तो मुगलों से उनके संघर्ष और उनकी वीरता का स्वर्णिम इतिहास बिखरा पड़ा है। गुरु गोबिंद सिंह के चारों पुत्र अजीत सिंह, फतेह सिंह, जोरावर सिंह और जुझार सिंह भी उन्हीं की भांति बेहद निडर और बहादुर योद्धा थे। अपने धर्म की रक्षा के लिए मुगलों से लड़ते हुए गुरु गोबिंद सिंह ने अपने पूरे परिवार का बलिदान कर दिया था। उनके दो पुत्रों बाबा अजीत सिंह और बाबा जुझार सिंह ने चमकौर के युद्ध में शहादत प्राप्त की थी। 26 दिसम्बर 1704 को गुरु गोबिंद सिंह के दो अन्य साहिबजादों जोरावर सिंह और फतेह सिंह को इस्लाम धर्म स्वीकार नहीं करने पर सरहिंद के नवाब द्वारा दीवार में जिंदा चुनवा दिया गया था और माता गुजरी को किले की दीवार से गिराकर शहीद कर दिया गया था। नांदेड़ में दो हमलावरों से लड़ते समय गुरु गोबिन्द सिंह के सीने में दिल के ऊपर गहरी चोट लगी थी, जिसके कारण 18 अक्तूबर 1708 को नांदेड में करीब 41 वर्ष की आयु में वे वीरगति को प्राप्त हुए थे ।

✍ गगनदीप सिंह भाटिया
(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

बेहद लाभकारी है पौष पुत्रदा एकादशी का व्रत, संतान प्राप्ति ही नहीं, मिलते हैं कई शुभ परिणाम

✍ डॉ. आर.डी. आचार्य
9009369396
ज्योतिष एवं वास्तु विशेषज्ञ
इंदौर (म.प्र.)

हिंदू धर्म में एकादशी की तिथि भगवान विष्णु की पूजा के लिए समर्पित मानी जाती है। पुत्रदा एकादशी का व्रत साल में दो बार रखा जाता है। पहला व्रत पौष माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी को रखा जाता है, जबकि दूसरा व्रत सावन माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी को रखा जाता है। इस व्रत को करने से व्यक्ति को कई लाभ मिल सकते हैं। आइए, जानते हैं कि पौष पुत्रदा एकादशी का क्या महत्व है।

पौष पुत्रदा एकादशी 2024 मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, पौष माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि 20 जनवरी 2024 को शाम 7:26 बजे पर शुरू होगी। वहीं, 21 जनवरी को शाम 7:26 बजे पर इसका समापन होगा। ऐसे में पौष पुत्रदा एकादशी उदया तिथि के अनुसार, 21 जनवरी दिन रविवार को मनाई जाएगी। 22 जनवरी को पुत्रदा एकादशी व्रत का पारण किया जाएगा।

पौष पुत्रदा एकादशी व्रत लाभ

पौष पुत्रदा एकादशी का महत्व पुराणों और महाभारत में भी बताया गया है। भगवान श्रीकृष्ण ने धर्मराज युधिष्ठिर को बताया था कि पौष माह में पुत्रदा एकादशी का व्रत करने से संतान सुख प्राप्त होता है। इसके अलावा इस व्रत को करने से दांपत्य जीवन भी सुखी रहता है। भगवान विष्णु की कृपा से व्यक्ति को सुखी जीवन की प्राप्ति होती है। कहा जाता है कि जो साधक पौष पुत्रदा एकादशी का व्रत रखते हैं, उनके लिए मोक्ष के द्वार खुल जाते हैं। इतना ही नहीं, इस एकादशी व्रत को करने से व्यक्ति के पाप भी नष्ट हो जाते हैं।

सपने में दिखे प्रभु राम तो समझिए सारे कष्ट होने वाले हैं दूर, मिलते हैं ये शुभ संकेत

✍ पं. राजेश वैष्णव
शनि उपासक ज्योतिष रत्न एवं वास्तु विशेषज्ञ
98272 88490

सोते समय सपने देखना आम बात है. हर व्यक्ति को अलग- अलग तरह के सपने आते हैं. स्वप्न शास्त्र के अनुसार हर सपना हमें भविष्य का संकेत देता है. कुछ लोगों को कभी-कभी देवी-देवताओं के भी सपने आते हैं. भगवान राम को हर घर में पूजा जाता है. राम हर किसी के आराध्य हैं. कई लोगों के सपने में भी भगवान राम दिखाई देते हैं. आइए स्वप्नशास्त्र से जानते हैं कि सपने में भगवान राम को देखने का क्या अर्थ होता है.

सपने में भगवान राम को देखना

स्वप्न शास्त्र के अनुसार सपने में भगवान राम को देखा बहुत शुभ माना जाता है. सह सपना संकेत देता है कि आप जल्द ही सफलता की सीढ़ियां चढ़ने वाले हैं. अगर आप किसी परेशानी में फंसे हुए हैं, तो प्रभु राम की कृपा से जल्द ही आपकी सारी समस्याएं दूर होने वाली हैं. भगवान राम का सपना कष्टों से मुक्ति दिलाने वाला होता है. अगर आपको सपने में भगवान राम का भव्य मंदिर दिखाई देता है तो यह सपना भी आपकी किस्मत चमकाने वाला है. इस सपने के दिखाई देने का मतलब है कि लंबे समय से आपका रुका हुआ काम जल्द ही पूरा हो जाएगा. आप किसी फंसी हुई परिस्थिति से बाहर आने में सक्षम होंगे. आपने जो लक्ष्य तय किया था, वह जल्द पूरा होगा. आपको अपने कार्यों में संतुष्टि मिलेगी. अगर आपको सपने में भगवान राम के साथ भगवान हनुमान भी दिखाई देते हैं तो इसका मतलब है कि यह सपना आपको जल्द ही लाभ दिला सकता है. भगवान राम आपके सारे संकट हर लेंगे. आपकी जटिल से जटिल समस्या भगवान राम की कृपा से दूर हो जाएगी. अगर आप अपने सपने में भगवान राम को देखते हैं तो इसका मतलब है कि आपको अपने जीवन में जल्द ही तरक्की के नए अवसर प्राप्त होंगे. सपने में भगवान श्री राम का दिखाई देने का एक संकेत यह भी है कि आपको अपने कर्तव्यों को सही ढंग से निभाना चाहिए और हमेशा लोगों के साथ न्यायपूर्ण व्यवहार करना चाहिए.

मां लक्ष्मी की पूजा करते समय इन नियमों का करें पालन, होगी धन वर्षा

✍ आचार्य पं. संजय वर्मा
9826380407
ज्योतिषाचार्य एवं वास्तु विशेषज्ञ, इंदौर (म.प्र.)

वास्तु शास्त्र को सबसे पुराने और सबसे महत्वपूर्ण विज्ञानों में से एक माना जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, हर चीज को सही स्थान पर रखा जाए, तो घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है और सुख-समृद्धि का आगमन होता है। ऐसे में अगर आप पूजा करते समय वास्तु के कुछ खास नियमों का ध्यान रखें, तो जीवन में तरक्की के रास्ते खुलने लगते हैं।

इस स्थान पर रखें मंदिर

वास्तु शास्त्र के अनुसार, पूजा घर हमेशा उत्तर-पूर्व दिशा में यानी उत्तर और पूर्व के बीच में होना चाहिए। यह दिशा पूजा के लिए शुभ मानी जाती है। जहां भी आपका मंदिर हो, वहां ताजी हवा और रोशनी की पर्याप्त आपूर्ति होनी चाहिए। अगर आप इन बातों का ध्यान रखेंगे, तो मां लक्ष्मी की कृपा परिवार पर हमेशा बनी रहेगी।

ऐसे फूलों का न करें इस्तेमाल

देवी लक्ष्मी की पूजा करते समय हमेशा ताजे फल और फूल चढ़ाने चाहिए। जो फूल जमीन पर गिर गए हों या ऐसे फूल जिनकी पंखुड़ियां टूट गई हों, ऐसे फूल जिन्हें सूंघ लिया गया हो आदि का प्रयोग कभी भी पूजा-पाठ में नहीं करना चाहिए। इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए कि फल-फूल तोड़कर या काटकर नहीं चढ़ाने चाहिए।

इन नियमों का करें पालन

यह भी ध्यान रखें कि पूजा घर के आसपास कोई पुराने कपड़े, जूते, बक्से आदि न हो। इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न होती है। माना जाता है कि देवी लक्ष्मी वहीं निवास करती हैं, जहां साफ-सफाई होती है। ऐसे में आपको अपने घर और मंदिर की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

आईएमएफ चीफ ने एआई को लेकर दी ये बड़ी चेतावनी, कहा-40 फीसदी नौकरियां जाने का खतरा

नई दिल्ली। एजेंसी

पूरी दुनिया में तेजी से आर्टिफिशल इंटेलिजेंस का दबदबा बढ़ रहा है। एआई का अब हर सेक्टर में दखल बढ़ रहा है। अब एआई को लेकर अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की चीफ क्रिस्टलीना जॉर्जीवा ने बड़ी चेतावनी जारी की है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की प्रमुख क्रिस्टलीना जॉर्जीवा का कहना है कि आर्टिफिशल इंटेलिजेंस दुनियाभर में जॉब सिक्योरिटी के लिए खतरनाक साबित होगा। स्विट्जरलैंड के दावोस में शुरू हुई वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की सालाना बैठक में शामिल होने से पहले IMF चीफ ने कहा, 'हालांकि, AI प्रोडक्टिविटी बढ़ाने के लिए मौके पैदा करेगा।'

इतनी नौकरियों पर पड़ेगा असर

IMF की एक नई रिपोर्ट का हवाला देते हुए उन्होंने कहा, 'विकासशील देशों में AI का प्रभाव कम हो सकता है, लेकिन वैश्विक स्तर पर करीब 40 प्रतिशत नौकरियों पर AI का असर पड़ सकता है। यह उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में 60 फीसदी नौकरियों को प्रभावित करेगा। आपके पास जितनी ज्यादा हाई स्किल्ड जॉब होंगी, असर उतना ही ज्यादा होगा।'

बढ़ सकती है इनकम

IMF की रिपोर्ट में कहा गया है कि AI से प्रभावित होने वाली नौकरियों में से केवल आधी ही नकारात्मक रूप से प्रभावित होंगी। बाकी लोग असल में AI के कारण बढ़ी प्रॉडक्टिविटी से लाभान्वित हो सकते हैं। जॉर्जीवा ने कहा, 'आपकी नौकरी पूरी तरह से खत्म हो सकती है या नहीं या AI आपकी नौकरी को और आगे बढ़ा सकती है। आप असल में ज्यादा प्रॉडक्टिव होंगे और आपकी इनकम का लेवल बढ़ सकता है।' उन्होंने कहा कि 2024 दुनियाभर की अर्थव्यवस्था के लिए मुश्किल साल हो सकता है। दुनिया कोरोना के वक्त लिए गए कर्ज के जाल से अभी तक नहीं निकल पाई है। वहीं, इस साल दुनिया में 80 से ज्यादा देशों में चुनाव हैं। ऐसे में सरकारें लोगों को लुभाने के लिए पैसे खर्च करेंगी, इससे देशों पर कर्ज और बढ़ेगा।

दूध में भरपूर मलाई का बढ़ रहा है क्रेज!

मदर डेयरी की है इस बाजार में उतरने की तैयारी

नई दिल्ली। एजेंसी

कभी-कभी सुनने में आता है कि कुछ लोग फैट (Fat) से बचने के लिए टोंड मिल्क का उपयोग करने लगते हैं। टोंड मिल्क का मतलब है दूध में कम फैट। कम फैट यानी कम मलाई। जिन्हें दूध में मलाई पसंद है, वे फुल क्रीम दूध पसंद करते हैं। अब कुछ लोग ऐसे भी हैं, जिनका जी फुल क्रीम मिल्क से नहीं भरता। वे और मलाई तथा गाढ़ेपन के लिए खांटी भैंस का दूध का दूध खोजते हैं। ऐसे लोगों के लिए सहकारी क्षेत्र की कंपनी मदर डेयरी भी तैयार हो रही है। कंपनी की योजना दिल्ली एनसीआर के बाजार में भैंस का दूध या बफेलो मिल्क उतारने की है। यदि सबकुछ ठीक रहा तो एक-आध सप्ताह में यह बाजार में आ जाएगा।

हर घूंट में खूब मलाई

मदर डेयरी के मैनेजिंग डाइरेक्टर मनीष बंदलिश बताते हैं कि अभी उनके टोंड मिल्क में फैट कंटेंट तीन फीसदी होता है। गाय के दूध में यह कंटेंट चार फीसदी होता है। यदि आप डबल टोंड मिल्क लेते हैं तो उसमें फैट कंटेंट महज डेढ़ फीसदी होता है। अब जो यह भैंस का दूध उतारने वाली है, उसमें फैट कंटेंट साढ़े छह फीसदी है। मतलब कि हर घूंट में फुल क्रीम दूध से ज्यादा मलाई।

बढ़ रही है रिच और क्रीमी मिल्क की मांग

मनीष बंदलिश का कहना है कि उनकी कंपनी तो वर्षों से टोंड मिल्क और फुल क्रीम मिल्क बेचती रही है। हाल के वर्षों में ऐसा देखा गया लोग रिच और क्रीमी दूध की मांग करने लगे हैं। ऐसा दूध तो खांटी भैंस का ही होगा। इसलिए कंपनी ने बफेलो मिल्क को बाजार में उतारने का फैसला किया है। उन्होंने बताया कि बफेलो मिल्क की शुरुआत दिल्ली और एनसीआर के बाजार से होगी। बाद में इसका विस्तार अन्य मार्केट में भी किया जाएगा। उनका कहा है कि यह चरणबद्ध तरीके से कंपनी के हर डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क जैसे कि मदर डेयरी बूथ, जनरल मर्चेंट, माडर्न ट्रेड, ई-कामर्स और क्यू-कामर्स प्लेटफार्म्स पर भी उपलब्ध होगा।

क्या होगी कीमत

यदि आप अभी टोंड मिल्क या फुल क्रीम मिल्क पीने के आदी हैं तो आपको भैंस का दूध पीने के लिए कुछ ज्यादा जेब ढीले करने होंगे। अभी टोंड दूध का दाम 54 रुपये प्रति लीटर है जबकि फुल क्रीम दूध का दाम 66 रुपये लीटर। मदर डेयरी के गाय के दूध की कीमत (Mother Dairy Cow Milk Price) 56 रुपये प्रति लीटर है तो भैंस के दूध (Mother Dairy Buffalo Milk Price) के लिए आपको 70 रुपये प्रति लीटर का दाम चुकाना होगा।

स्वर्ण जयंती वर्ष में प्रवेश कर गई है मदर डेयरी

मदर डेयरी की शुरुआत नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड (NDDB) की पूर्ण स्वामित्व वाली सब्सिडियरी के रूप में साल 1974 में हुई थी। इसकी स्थापना भारत को दूध की दृष्टि से आत्मनिर्भर बनाने के लिए की गई थी। उस समय पूरे देश में दूध का उत्पादन बढ़ाने के लिए ऑपरेशन फ्लड चलाया गया था। अब मदर डेयरी स्वर्ण जयंती वर्ष में प्रवेश कर गई है। इस वर्ष कंपनी ने पहला प्रोडक्ट भैंस का दूध ही लॉन्च किया है। स्वर्ण जयंति वर्ष में कंपनी कई नए प्रोडक्ट लॉन्च करने की योजना बना रही है।

200MP कैमरा वाले इस स्मार्टफोन में अब मिलेगी Jio eSIM सपोर्ट

नई दिल्ली। एजेंसी

Honor 90 5G Discount: ई- कॉमर्स शॉपिंग साइट Republic Day Sale की सेल चल रही हैं। जहां आपको चाइनीज टेक कंपनी ऑनर का 200MP कैमरे वाला फोन खरीदने को मिल रहा है। सिर्फ फोन ही नहीं आप ग्राहकों को अब व्द एएछ्ष सपोर्ट भी मिलने वाला है। दरअसल, एचटेक (HTECH) इंडिया के सीईओ माधव सेठ ने एक्स पर घोषणा की है कि कंपनी भारत में HONOR 90 5G स्मार्टफोन के लिए eSIM कनेक्टिविटी शुरू कर रहा है। माधव सेठ ने बताया है कि इसकी शुरुआत व्द से होगी। आपको बता दें कि ई-सिम की सुविधा पहले स्मार्टफोन में नहीं मिलती थी। अब ऑनर कंपनी अपने इस प्रीमियम स्मार्टफोन के साथ जियो ई-सिम की कनेक्टिविटी भी देने जा रही है। हालांकि, कंपनी ने अभी तक इस बात की जानकारी नहीं दी है कि आने वाले समय में कंपनी बाकी नेटवर्क कंपनी के साथ भी ई-सिम की सुविधा शुरू करेगी।

फोन के साथ मिलेगी व्द सिम

माधव सेठ की पोस्ट के जरिए इस नई सर्विस की घोषणा की गई है। जहां दो इमेज अटैच की गई है, पहली इमेज में ई-सिम को यूज़ करने का तरीका। वहीं दूसरी इमेज में फोन की सेटिंग्स दिख जहां देखा जा सकता है कि फोन में सिम सेटिंग के लिए दो ऑप्शन मिलेंगे। पहला ऑप्शन फिज़िकल सिम का है, और दूसरा एएछ्ष का है। यूजर्स इन दोनों में से किसी एक सेटिंग को चुनकर उस तरीके से सिम और फोन का इस्तेमाल कर सकते हैं। हालांकि, माधव सेठ द्वारा शेयर किए गए स्क्रीनशॉट में हमें सिर्फ जियो 4जी नेटवर्क दिखाई दे रहा है। हालांकि, अभी तक इस बात की जानकारी नहीं है ई-सिम के जरिए इस फोन में 5G नेटवर्क की सुविधा मिलेगी या नहीं।

कोका-कोला ने भारत में व्यवसाय का रणनीतिक स्थानांतरण किया

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

द कोका-कोला कंपनी की एक सहायक कंपनी हिन्दुस्तान कोका-कोला बेवरेजेज प्रा. लि. (एचसीसीबी) ने आज तीन क्षेत्रों में बॉटलिंग ऑपरेशंस के ट्रांसफर की घोषणा की है। राजस्थान के बाजार पर कंधारी ग्लोबल बेवरेजेज (जिसमें एनरिच एग्रोफूड प्रोडक्ट्स प्रा. लि. और कंधारी बेवरेजेज प्रा. लि. आते हैं) का स्वामित्व होगा और वही इसका परिचालन भी करेगी। अभी वे दिल्ली के भागों, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़, जम्मू एवं कश्मीर और लद्दाख में परिचालन कर रहे हैं। बिहार के बाजार पर एसएलएमजी बेवरेजेज प्रा. लि. का स्वामित्व होगा और वही इसका परिचालन भी करेगी। अभी वे उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश के भागों, मध्य प्रदेश और बिहार में परिचालन कर रहे हैं। पूर्वोत्तर बाजार और पश्चिम बंगाल के चुनिंदा क्षेत्रों पर मून बेवरेजेज प्रा. लि. का स्वामित्व होगा और वही इसका परिचालन भी करेगी। अभी वे दिल्ली और उत्तर प्रदेश के हिस्सों में परिचालन कर रहे हैं।

एचसीसीबी इंडिया के सीईओ जुआन पाबलो रोड्रिग्ज़ ने कहा, 'यह बिजनेस ट्रांसफर हिन्दुस्तान कोका-कोला बेवरेजेज का एक महत्वपूर्ण फैसला है। इससे सुनिश्चित होता है कि व्यवसाय के सभी हिस्सों में निवेश का स्तर सही रहे और व्यवसाय का दायरा बढ़ाया जा सके। भारत में अपने बेवरेज बिजनेस की लंबे समय के लिये तरक्की को लेकर हमारे पास संभावनाएं हैं। हमारा मानना है कि इस कदम से कोका-कोला सिस्टम को गति मिलेगी। हम बाजार में उल्लेखनीय हिस्सेदारी हासिल करेंगे और स्थानीय समुदायों को अधिक महत्व प्रदान करेंगे।'' अपने पार्टनर बॉटलर्स/ फ्रैंचाइज बॉटलिंग पार्टनर्स के साथ मिलकर एचसीसीबी इस बदलाव को आसान बनाने के लिये प्रतिबद्ध है। इस प्रकार ग्राहकों, उपभोक्ताओं और कर्मचारियों को कम बाधा होगी।

कोका-कोला इंडिया के लिये इंडिया ऑपरेशंस के वाइस प्रेसिडेंट संदीप बाजोरिया ने कहा, ''हम भारत में ज्यादा मजबूत और स्थायी लोकल बिजनेस बनाने के लिये प्रतिबद्ध हैं। भारतीय बाजार में और भी तरक्की के लिये तैयार होकर हम इन बदलावों से नवाचार, बुनियादी

ढांचे, तकनीकी क्षमताओं, प्रतिभा अधिग्रहण और व्यवसाय विस्तार में सीधे निवेश करेंगे। अपने उपभोक्ताओं को पेय का बेजोड़ अनुभव देने के लिये हम अपनी मौजूदा क्षमताओं को मजबूत भी करेंगे।''

भारत में कोका-कोला सिस्टम उत्पादन एवं बिक्री की एक विश्व-स्तरीय कंपनी बनना चाहता है। और यह बॉटलिंग ऑपरेशंस की रीफ्रैंचाइजिंग क्षेत्र में सप्लाई चेन को कारगर बनाने तथा निष्पादन का मापदण्ड ऊँचा करने पर फोकस करता है।

इंदौर के लघु उद्योग क्षेत्र को नंबर 1 बनाएंगे- मंत्री विजयवर्गीय

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

स्वच्छता में 7वी बार नंबर 1 आने के बाद अब हमें इंदौर के लघु उद्योग क्षेत्र को नंबर 1 कैसे बने इसके बारे में भी मंथन करना चाहिए, क्योंकि लघु उद्योग एकमात्र ऐसे क्षेत्र है जो सबसे अधिक रोजगार प्रदाता है।यह बात प्रदेश के केबिनेट मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने कही। औद्योगिक क्षेत्र सांवेर रोड सेक्टर में विकास कार्यों को लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। आयोजन में एआईएमपी अध्यक्ष योगेश मेहता, इंडियन प्लास्ट पैक फोरम अध्यक्ष सचिन बंसल, प्रमोद डफरिया, तरूण व्यास सहित बडी संख्या में उद्योगपति मौजूद थे।

आयोजन में श्री विजयवर्गीय ने सेक्टर सी में श्रमिकों व कर्मचारियों के लिए केंटीन ओर जल पुर्नभरण के लिए बने लघु सरोवर का अवलोकन किया। उन्होंने फीता काटकर शीलालेख का अनावरण कर लोकार्पित किया। उन्होंने यहां एक पौधा भी लगाया। उन्होंने औद्योगिक क्षेत्रों में अभी और हरियाली विकसीत करने की जरूरत है। आपने एसोसिएशन एवं उद्योगजगत से आव्हान किया की आप अधिक से अधिक पौधारोपण करे इसमें मैं आपकी मदद करूंगा।

आईपीपीएफ अध्यक्ष सचिन बंसल ने बताया कि आयोजन में मंत्री श्री विजयवर्गीय के हाथो कार डस्टबिन का वितरण करवाया गया। यह डस्टबिन स्वच्छता सर्वेक्षण में सातवी बार इंदौर के प्रथम आने के उपलब्ध में वितरित किए गए।

सैमसंग ने 'फ्यूचर फेस्ट' की घोषणा की

एआई से लैस प्रीमियम टीवी रेंज पर शानदार ऑफर्स, घरों के पुराने टीवी को सैमसंग टीवी के नए मॉडलों से अपग्रेड करने का मौका

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

भारत के सबसे बड़े उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक ब्रांड, सैमसंग ने 'द फ्यूचर फेस्ट' की घोषणा की है। फ्यूचर फेस्ट में सैमसंग ने अपने प्रीमियम, 55 इंच और उससे बड़ी स्क्रीन के टीवी, जैसे कि नियो क्यूएलईडी 4 के और 8 के, ओएलईडी, क्यूएलईडी और क्रिस्टल 4 के यूएचडी टीवी पर शानदार उपहारों और आकर्षक कैशबैक की घोषणा की है। फ्यूचर फेस्ट उपभोक्ताओं के लिए भविष्य के सिनेमा का अहसास लेने और सैमसंग टीवी के नए मॉडल खरीदकर घरों में मौजूदा टीवी को अपग्रेड करने का शानदार मौका है। गणतंत्र दिवस पर ढेर सारे उपहारों के साथ यूजर्स नए मॉडलों की डॉल्बी एटमॉस, न्यूरल एआईक्वांटम प्रोसेसर और एआई अपस्केलिंग जैसी खूबियों के साथ घर पर भविष्य के थियेटर या सिनेमाहॉल का अनुभव कर सकते हैं। ये ऑफर्स 31 जनवरी 2024 तक प्रभावी रहेंगे।

सैमसंग इंडिया में विजुअल डिस्प्ले बिजनेस के सीनियर वाईस प्रेसिडेंट,मोहनदीप सिंह ने कहा, 'सैममंग के फ्यूचर फेस्ट से हम नए आविष्कारों का जश्न मना रहे हैं। यह उपभोक्ताओं को होम एंयरटेनमेंट के क्षेत्र में एआई से लैस आधुनिक तकनीक उपलब्ध कराने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता दर्शाता है। हमारे प्रीमियम टीवी उपभोक्ताओं को शानदार पिक्चर, बेहतरीन आवाज और जबर्दस्त डिजाइन ऑफर करते है, जिससे यह उपभोक्ताओं के घरों का मुख्य आकर्षण बनकर उन्हें हाइपर कनेक्टेड होने का अहसास दिलातेहैं। फ्यूचर फेस्ट डील ने यूजर्स को अपने घरों के टीवी को भविष्य की टेक्नोलॉजी से लैस इन शानदार मॉडलों के टीवी से बदलने का अवसर दिया है।'

यात्रियों के हंगामे के बाद जागा प्रशासन!

दिल्ली एयरपोर्ट के दोनों रनवे पर कैट 3 लागू

नई दिल्ली। एजेंसी

पिछले कुछ दिनों से घने कोहरे की वजह से विजिबिलिटी काफी कम हो गई है। इसका असर पूरे उत्तर भारत में उड़ानों पर पड़ा है। उड़ानें प्रभावित होने से यात्री परेशान हैं। इसके चलते बीते दिनों दिल्ली हवाई अड्डे (Delhi Airport) के बाहर यात्रियों का हंगामा देखने को मिला था। उड़ानों में घंटों देरी की वजह से यात्रियों ने हंगामा किया था। अब यात्रियों के हंगामे के बाद प्रशासन (Civil Aviation Ministry) जागा है। प्रशासन ने कई कदम उठाए हैं। इससे दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (IGI) में यात्रियों को राहत मिल सकती है।

दिए ये निर्देश

यात्रियों की परेशानी को देखते हुए नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने हवाई अड्डों और विमानन कंपनियों को कई निर्देश दिए। इसमें यात्रियों की असुविधा के संबंध में किसी भी मुद्दे का तुरंत समाधान करने के लिए छह मेट्रो हवाई अड्डों पर एयरलाइन संचालकों और हवाई अड्डों द्वारा 'वॉर रूम' स्थापित किए जाएंगे। दिल्ली एयरपोर्ट के दोनों रनवे पर कैट 3 लागू किया गया है।

कम विजिबिलिटी में भी होगी लैंडिंग

दिल्ली हवाई अड्डे पर एकमात्र कैट 3 (CAT III) रनवे के दोनों सिरों को अब कैट-III मानकों के अनुरूप बना दिया गया है। वहीं सितंबर से मरम्मत के लिए बंद पड़े एक दूसरे कैट-छ्छ रनवे (28/10) को भी जल्द ही चालू कर दिया जाएगा। कैट-III मानक का मतलब होता है कि विमान कम दृश्यता में भी सुरक्षित रूप से लैंडिंग कर सकते हैं। इससे कोहरे के दिनों में उड़ानों के रद्द होने की संभावना कम हो जाएगी।

सरकार ने इन कदमों के अलावा एयरलाइंस को यात्रियों की सुविधा के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (SOP) भी जारी किए हैं। हर तीन घंटे पर छह प्रमुख हवाई अड्डों से रिपोर्ट ली जाएंगी और नियमों के पालन की सख्ती से निगरानी की जाएगी। इस बदलाव से हवाई यात्रा करने वाले लोगों को कोहरे के दिनों में भी ज्यादा परेशानी नहीं होगी।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुन: प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।